।। सा विद्या या विमुक्तये ।।

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

"ज्ञानतीर्थ" परिसर, विष्णुपुरी, नांदेड - ४३१६०६ (महाराष्ट्र)

SWAMI RAMANAND TEERTH MARATHWADA UNIVERSITY NANDED

"Dnyanteerth", Vishnupuri, Nanded - 431606 Maharashtra State (INDIA)

Established on 17th September 1994 – Recognized by the UGC U/s 2(f) and 12(B), NAAC Re-accredited with 'A' Grade

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ,नांदेड.

ACADEMIC (1-BOARD OF STUDIES) SECTION

Phone: (02462) 229542
Fax : (02462) 229574

Website: www.srtmun.ac.in

E-mail: bos.srtmun@gmail.com

संलग्नित महाविद्यालयांतील मानवविज्ञान विद्याशाखेतील पदवी स्तरावरील तृतीय वर्षाचे **CBCS Pattern** नुसारचे अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२१–२२ पासून लागू करण्याबाबत.

प रि प त्र क

या परिपत्रकान्वये सर्व संबंधितांना कळविण्यात येते की, मा. विद्याशाखेने **दिनांक २२ मे २०२१ रोजीच्या बैठकीतील केलेल्या शिफारशीप्रमाणे व दिनांक १२ जून २०२१ रोजी संपन्न झालेल्या ५१ व्या मा. विद्या परिषद बैठकीतील विषय क्र. १५/५१–२०२१**च्या ठरावानुसार प्रस्तुत विद्यापीठाच्या **संलग्नित महाविद्यालयांतील मानवविज्ञान विद्याशाखेतील पदवी स्तरावरील तृतीय वर्षाचे** खालील विषयांचे **C.B.C.S. (Choice Based Credit System) Pattern** नुसारचे अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२१–२२ पासून लागू करण्यात येत आहेत.

01. B. A. -III Year- Marathi
02. B. A.- III Year- Hindi
03. B. A. - III Year- English
04. B. A. -III Year- Urdu
05. B. A. - III Year- Sanskrit
06. B. A. -III Year- Pali
07. B. A. - III Year- Kannada
08. B. A.- III Year- Economics
09. B. A.- III Year- Policital Science
10. B. A.- III Year- Sociology
11. B. A.- III Year- Philosophy
12. B. A.- III Year- Geography
13. B. A. -III Year – Psychology
14. B. A. - III **Year History**
15. B. A.-III Year- Public Administration
16. B. A.- III Year- Military Science
17. B. A.-III Year- Administrative Services

सदरील परिपत्रक व अभ्यासक्रम प्रस्तुत विद्यापीठाच्या **www.srtmun.ac.in** या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहेत. तरी सदरील बाब ही सर्व संबंधितांच्या निदर्शनास आणून द्यावी, ही विनंती.

'ज्ञानतीर्थ' परिसर,
विष्णुपुरी, नांदेड – ४३१ ६०६.
जा.क्र.:शैक्षणिक–१/परिपत्रक बी.ए./पदवी–सीबीसीएस अभ्यासक्रम/ २०२१–२२/८७
दिनांक : २४.०७.२०२१.

स्वाक्षरित
सहा.कुलसचिव
शैक्षणिक (१–अभ्यासमंडळ) विभाग

प्रत माहिती व पुढील कार्यवाहीस्तव :
१) मा. प्र. अधिष्ठाता, मानवविज्ञान विद्याशाखा, प्रस्तुत विद्यापीठ
२) मा. संचालक, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळ यांचे कार्यालय, प्रस्तुत विद्यापीठ.
३) प्राचार्य, सर्व संबंधित संलग्नित महाविद्यालये, प्रस्तुत विद्यापीठ.
४) साहाय्यक कुलसचिव, पदव्युत्तर विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ.
५) उपकुलसचिव, पात्रता विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ.
६) सिस्टम एक्सपर्ट, शैक्षणिक विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ.
७) अधीक्षक, परिक्षा विभाग मानवविज्ञान विद्याशाखा प्रस्तुत विद्यापीठ.

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

"ज्ञानतीर्थ" विष्णुपुरी, नांदेड

बी.ए.तृतीय वर्ष

ऐच्छिक हिंदी पाठ्यक्रम

जून २०२१ से प्रारंभ

Under Graduate Third Year Syllabus & Work Load Distribution

Semester Pattern effective from 2021

Subject : Hindi (Optional)

Semester		Paper No.	Lecturers/week	Total No.of Lecturers	CA	ESE	Total Marks	Credits
Semester V	I Elective	Hindi (Optional IX)	4	55	25	50	75	3
	Generic	Hindi (Optional) X	4	55	25	50	75	3
	SEC III	Hindi Koshal	3	45	25	25	50	2
		Total V	11	155	75	75	200	8
Semester VI	II Elective	Hindi (Optional) XI	4	55	25	50	75	3
	Generic	Hindi (Optional) XII	4	55	25	50	75	3
	SEC IV	Hindi Kaushal	3	45	25	25	50	2
		Total VI	11	155	75	125	200	8
		Total V,VI	**22**	**310**	190	210	400	16

हिंदी साहित्य का इतिहास

- **उदेश्य एवं महत्व :**

i) हिंदी साहित्य के बृहत इतिहास का परिचय कराना।
ii) हिंदी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमि को समझना।
iii) साहित्यिक प्रवृत्तिओं की परम्परा को समझना।
iv) साहित्य के माध्यम से जीवनमूल्यों एवं जीवन दर्शन को समझना।
v) भाषाई शिल्प के परिवर्तनों को समझना।
vi) हिंदी साहित्य के आदिकाल तथा रीतिकाल का संक्षिप्त परिचय देना।
vii) भक्तिकाल तथा आधुनिक काल की प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।

- **महत्व :**

इतिहास का अध्ययन महत्वपूर्ण है, क्योंकि इतिहास की पुनरावृत्ति होती है इसलिए किसी भी साहित्य के इतिहास का अध्ययन भविष्यकालीन निर्माण में अत्यंत आवश्यक होता है। साहित्य की परिस्थितियाँ हमारे वर्तमान जीवन को बनाने में सहयोग देती है। तत्कालीन जीवमूल्य, जीवन दर्शन, समस्याएँ, संस्कृति का वर्तमान से सह-संबंध समापित होकर नये जीवन और कलाओं का निर्माण होता है।

- **साहित्यशास्त्र :**
  - i) साहित्य का शास्त्रीय पध्दति से अध्ययन करना।
  - ii) साहित्यशास्त्र के महत्व को प्रतिपादित करना।
  - iii) छात्रों में साहित्य के प्रति शास्त्रीय दृष्टिकोन विकसित करना।
  - iv) शब्द और अर्थो के सम्बन्धों को समझना।
  - v) आलोचना की मानवीय सहज प्रवृत्ति का साहित्यिक विश्लेषण करना।

- **महत्व :**

शिक्षा ज्ञानवर्धन का साधन है। सांस्कृतिक जीवन का माध्यम है अपनी क्षमताओं का पूर्ण उपयोग करते हुए जीवन जीनें की कला के साथ-साथ व्यक्तित्व के विकास का पथ-प्रदर्शन भी है। इन कलाओं के माध्यम से ही मनुष्य अपने जीवन को आनंदमय बना सकता है। आधुनिक तकनिकी युग में साहित्य की शास्त्रीयता मनुष्य जीवन का एक मात्र आधार सिध्द होती है। अतः साहित्य का शास्त्रीय दृष्टिकोन से अध्ययन होना आवश्यक है।

- **हिंदी भाषा :**
- **उद्देश्य :**
  - **i)** हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करना।
  - **ii)** भाषा के स्वरूप को समझना।
  - **iii)** हिंदी भाषा के प्रयुक्ति क्षेत्रों का परिचय कराना।
  - **iv)** भाषाई वैविध्य वाले भारत देश में हिंदी के महत्व को समझाना।
  - **v)** प्राद्योगिकी के युग में हिंदी भाषा की उपयोगिता को समझाना।
  - **vi)** हिंदी की संवैधानिक स्थिती से छात्रों को अवगत कराना।

- **महत्त्व :**

वैदिक संस्कृत, प्राकृत, पाली, अपभ्रंश आदि पड़ावों से गुजरकर हिंदी भारतवासियों के दिल की धडकन बनी। यदि भारत की भाषाओं का इतिहास उठाकर देखें तो पता चलता है कि हिंदी किसी न किसी रूप में अपनी सहोदर भाषाओं को अपना सहयोग प्रदान करती रही है। भाषा मानवीय जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग है। इसलिए भाषा के स्वरूप, प्रयुक्ति क्षेत्र और उसकी उपयोगिता का अध्ययन करना आवश्यक है। हिंदी भाषा आज केवल विचारों के आदान:प्रदान का साधन न होकर वह नये नये रोजगारों के अवसर भी निर्माण कर रही है। वैश्विकरण के बदलते परिवेश में हिंदी की उपयोगिता दिन-ब-दिन बढ़ रही है।

भाषा शिक्षण

उद्देश्य :

- भाषा शिक्षण के महत्व को प्रतिपादीत करना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक कोटियों को समझना।
- भाषाई शुध्दता एवं कुशलता के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाना।
- बदलते भाषाई परिवेश में परंपरागत भाषाई मौलिकता और लोकभावनाओं को समझना।

महत्त्व :

भाषा मानवीय भावनाओं एवं विचारों को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। भाषा के माध्यम से ज्ञान प्राप्ति एवं अभिव्यक्ति संभव है। अतः भाषा शिक्षण के माध्यम से भाषाई शुध्दता एवं प्रयोग कुशलता से रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सकते है। विज्ञान एवं प्राद्योगिकी के उत्तरोत्तर विकास से २० वी शताब्दी में औद्योगिक क्रांति आयी और अब २१ वी शती में सूचना क्रांति हुयी। हिंदी भाषा की उपादेयता इस बात से प्रमाणित होती है कि यह हमारे बजुसंख्य लोगों की भाषा है साथ ही यह साहित्य की भाषा होते हुये इसमें विज्ञान तथा व्यापार की अद्यतन जानकारियाँ है। इसलिए भाषा शिक्षण का महत्व अक्षुण्ण है।

हिंदी भाषा कौशल III, IV

उद्देश्य :

- छात्रों में व्यवसायाभिमुख कौशल विकसित करना।
- कौशल के अनेक क्षेत्रों से हिंदी को जोड़ना।
- छात्रों में लेखन कौशल विकसित करना।
- छात्रों को रोजगार के अवसरों से परिचित एवं प्रेरित करना।
- छात्रों को कौशल के माध्यम से सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करना।
- कौशल विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना।

- **महत्त्व**

  बदलते वैश्विक परिदृश्य में आज अर्थ महत्त्वपूर्ण हो गया है जिसके परिणामस्वरूप बाजारवाद को बढ़ावा मिला है। अतः शिक्षा क्षेत्र में भी पारंपारीक शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास के माध्यम से छात्रों को कार्यकुशल बनाना वर्तमान समय की माँग है। विश्व में भारत की 'युवाओं का राष्ट्र' ऐसी पहचान बन रही है।इस युवाशक्ति की क्षमता को राष्ट्रनिर्माण के लिए उपयोग में लाना आवश्यक है। इसलिए युवाओं में कौशल विकास का होना अनिवार्य है। विज्ञानएवं औद्योगिकी, अभियांत्रिकी, चिकित्सा, विधि तथा प्रबंधन में हिंदी भाषा कौशल अध्याधिक मात्रा में दिखाई देता है।

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक प्रश्न पत्र क्र. IX (Elective)

पाठ्यक्रम की रूपरेखा (पंचम सत्र)

हिंदी साहित्य का इतिहास

खण्ड क) **आदिकाल** **०५**

आदिकाल ; परिचय

आदिकालीन साहित्य की प्रेरक परिस्थितियाँ।

खण्ड ख) **भक्तिकाल** **२०**

१. भक्तिकाल : परिचय
२. निर्गुण भक्ति - ज्ञानाश्रयी, प्रेमाश्रयी शाखां की प्रवत्तियाँ।
३. सगुण भक्ति - रामभक्ति, कृष्णभक्ति शाखा की प्रवृत्तियाँ।

खण्ड ग) **रीतिकाल** **०५**

१. रीतिकाल : परिचय,रीतिबध्द, रीतिसिध्द, रीतिमुक्त काव्यधारा का संक्षिप्त परिचय।

खण्ड घ) आधुनिक काल : परिचय, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद,

नई कविता की प्रवृत्तियाँ । २०

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक ५०**

प्रश्न १ भक्तिकाल पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न २ भक्तिकाल पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न ३ आधुनिक काल पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न ४आधुनिक काल पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न ५ टिप्पणियाँ

अ) आदिकाल पर विकल्प के साथ टिप्पणी ०५

ब) रीतिकाल पर विकल्प के साथ टिप्पणी ०५

- **अंतर्गत मूल्यांकन**
  - **१.** कक्षा परीक्षा एक १०
  - **२.** सेमिनार १५ कुल २५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक प्रश्न पत्र क्र. XI (Elective)

पाठ्यक्रम की रूपरेखा (षष्ठ सत्र)

साहित्यशास्त्र

पाठ्यक्रम

खण्ड क) काव्य **२०**

१. काव्य का अर्थ,परिभाषा तथा स्वरूप
२. काव्य के तत्व,
३. काव्य के प्रयोजन,
४. काव्य के हेतु।

खण्ड ख) शब्द-शक्ति **२०**

१. अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
२. शब्द-शक्ति के भेद,अभिधा,लक्षणा,व्यंजना।

खण्ड ग) आलोचना : **१०**

१. परिभाषा,
२. आलोचना के प्रकार - सैध्दांतिक, ऐतिहासिक,मार्क्सवादी, तुलनात्मक

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक ५०**

प्रश्न १ खण्ड क पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न २ खण्ड क पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न ३ खण्ड ख पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न ४ खण्ड ख पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न ५ टिप्पणियाँ

अ) खंड ग पर विकल्प के साथ टिप्पणी ०५

ब) खंड ग पर विकल्प के साथ टिप्पणी ०५

- **अंतर्गत मूल्यांकन**
  १. कक्षा परीक्षा एक १०
  २. सेमिनार १५ कुल २५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक प्रश्न पत्र क्र. x (Generic)

पाठ्यक्रम की रूपरेखा (पंचम सत्र)

हिंदी भाषा

खण्ड क) हिंदी भाषा **२०**

१. भाषा की परिभाषा तथा स्वरूप ;
२. भाषा की विशेषताएँ
३. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास ।

खण्ड ख) हिंदी की स्थिति **२०**

१. भाषा प्राद्योगिकी स्वरूप एवं संभावनाएँ
२. हिंदी की संवैधानिक स्थिति
३. हिंदी की वैश्विक स्थिति
४. हिंदी में रोजगार के अवसर।

खण्ड ग) हिंदी भाषा के विविध रूप **१०**

१. प्रयोजनमूलक हिंदी
२. राष्ट्रभाषा
३. राजभाषा
४. संपर्क भाषा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक ५०**

प्रश्न १ हिंदी भाषा पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न २ हिंदी भाषा पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न ३ हिंदी की स्थितिपर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न ४ हिंदी की स्थितिपर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न १०

प्रश्न ५ टिप्पणियाँ

अ) खण्ड ग पर विकल्प के साथ टिप्पणी ०५

ब) खण्ड ग पर विकल्प के साथ टिप्पणी ०५

- **अंतर्गत मूल्यांकन**

१.कक्षा परीक्षा दो १०

२. सेमिनार १५ कुल २५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

बी.ए.तृतीय वर्ष ऐच्छिक प्रश्न पत्र क्र. XII (Generic)

पाठ्यक्रम की रूपरेखा (षष्ठ सत्र)

भाषा शिक्षण

खण्ड क) वर्तनी : **२०**

१. शुध्द वर्तनी का महत्त्व
२. शुध्द वर्तनी के नियम
३. स्वर ; परिभाषा और भेद
४. व्यंजन ; परिभाषा और भेद

खण्ड ख) व्याकरण : **२०**

१. लिंग ; परिभाषा और भेद
२. वचन ; परिभाषा और भेद
३. क्रिया ; परिभाषा और भेद
४. काल; परिभाषा और भेद

खण्ड ग) सृजनात्मक व्यक्तित्व : **१०**

१. कबीर
२. महादेवी वर्मा
३. म.गांधी
४. डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर
५. अटल बिहारी वाजपेयी
६. डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक ५०**

प्रश्न १	वर्तनी पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
प्रश्न २	वर्तनी पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
प्रश्न ३	व्याकरण पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
प्रश्न ४	व्याकरण पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	१०
प्रश्न ५	टिप्पणियाँ	
	अ) खण्ड ग पर विकल्प के साथ टिप्पणी	०५
	ब) खण्ड ग पर विकल्प के साथ टिप्पणी	०५

- **अंतर्गत मूल्यांकन**

१.कक्षा परीक्षा एक १०

२. सेमिनार १५ कुल २५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

स्नातक तृतीय वर्ष

हिंदी कौशल विकास प्रश्नपत्र III (S.E.C.)

पंचम सत्र

अध्यापन तासिकाएँ	१५	लिखित प्रश्नपत्र अंक	१५
प्रात्यक्षिक तासिकाएँ	३०	प्रात्यक्षिक अंक	२५
	---		---
कुल तासिका	४५		५०

पाठ्यक्रम

अ) पटकथा लेखन के अंग तथा उदाहरण

सिनेमा की पटकथा

दूरदर्शन की पटकथा

रेडिओ की पटकथा

ब) भाषा कौशल :

भाषा कौशल के माध्यम-श्रवण,वाचन, लेखन।

पल्लवन की परिभाषा एवं स्वरूप उदाहरण सहित।

क) लेखन की शुध्दता एवं सुंदरता :

१. स्वच्छ भारत अभियान
२. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
३. जल ही जीवन है
४. पर्यावरण सुरक्षा
५. वर्तमान समय और नैतिक मूल्य।

CA (Contunues Assessment) मूल्यांकन

१	सेमिनार	१५
२.	कक्षा परीक्षा ०२ (०५+०५)	१०
		२५

ESE (End Semister Exam) मूल्यांकन

१.	कौशल प्रकल्प लेखन	१०
२.	कौशल मूल्यांकन	१०
३.	कौशल मौखिकी	०५

		२५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

स्नातक तृतीय वर्ष

हिंदी कौशल विकास प्रश्नपत्र IV (S.E.C.)

षष्ठ सत्र

अध्यापन तासिकाएँ	१५	लिखित प्रश्नपत्र अंक	१५
प्रात्यक्षिक तासिकाएँ	३०	प्रात्यक्षिक अंक	२५
	---		---
कुल तासिका	४५		५०

पाठ्यक्रम

अ) विज्ञापन :

i) प्रिंट मिडीया के किसी एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण :
ii) रेडिओ के एक विज्ञापन की भाषा का का विश्लेषण।
iii) दूरदर्शन के एक विज्ञापन की भाषा का विश्लेषण।

ब) भाषाई कम्प्युटर :

i) कम्प्यूटर का हिंदी भाषाई भविष्य
ii) हिंदी में पावरपॉईट का महत्व एवं प्रविधि।
iii) हिंदी में एम.एस.वर्ड, एक्सलशीट निर्माण विधि।

क) ब्लॉग लेखन :

i) ब्लॉग लेखन का महत्व एवं प्रकार
ii) हिंदी में ब्लॉग लेखन की प्रविधि।
iii) इंटरनेट पर सामग्री सृजन एवं यु-ट्यूब पर प्रकाशन।

CA (Contunues Assessment) मूल्यांकन

१	सेमिनार	१५
२.	कक्षा परीक्षा ०२ (०५+०५)	१०
		२५

ESE (End Semister Exam) मूल्यांकन

४.	कौशल प्रकल्प लेखन	१०
५.	कौशल मूल्यांकन	१०
६.	कौशल मौखिकी	०५

		२५